Organised by

Sri Ramakrishna Math
Chennai.

125th Anniversary of Swami Vivekananda's Chicago addresses

विवेकानंद लघु फिल्म प्रतियोगिता

₹ 4 लाख पुरस्कार

स्वामी विवेकानंद के शिकागो सम्बोधन की वैश्विक रूप से 125 वीं वर्षगांठ का जश्न मनाते हुए।

प्रिय युवा, ठीक १२५ साल पहले वर्ष १८९३ में स्वामी विवेकानंद ने शिकागो स्थित विश्व धर्मों की संसद में अपना पहला सम्बोधन दिया । अपने भाषण के बाद घटना पर उपस्थित गणमान्य लोगों ने खड़े होकर उनका तालियों के साथ उत्साह पूर्ण स्वागत किया जो पूरे दो मिनट तक चला। इस भाषण ने संपूर्ण विश्व का ध्यान भारत की ओर खींचा । वास्तव में, इस ऐतिहासिक भाषण के बाद ही दुनिया भर में भारतीयों का सम्मान किया जाता है। । स्वामी विवेकानंद ने अपने व्याख्यान, भाषण विचार और लेखन से दुनिया भर के लोगों को पिछले १२५ साल से पथप्रदर्शन तथा प्रेरित किया है । इस भाषण की खूबसूरती यह है कि यह आज भी काफी प्रासंगिक है और इस भाषण से हम कई बातें सीख सकते हैं ।

हम आपको निम्नलिखित छह विषयों में से किसी एक पर स्वामीजी के संदेश के आधार पर एक लघु फिल्म बनाने और पुरस्कार जीतने के लिए आमंत्रित करते हैं।

युवाओं की विशाल शक्ति

हम वही उद्यम, वही स्वाधीनता का प्रेम, वही आत्मनिर्भरता, वही अटल धैर्य, वही कार्यदक्षता, वही उन्नति - तृष्णा चाहते हैं ।

-स्वामी विवेकानंद

देशभक्ति जिसे आज भारत की जरूरत है

प्रत्येक मनुष्य एवं प्रत्येक राष्ट्र को महान बनाने के लिए तीन बातें आवश्यक हैं -

१ सदाचार की शक्ति में विश्वास।
२ ईर्ष्या और संदेह का परित्याग।
३ जो साथ बनने या साथ कर्म करने के लिए यत्नवान हो, उनकी सहायता करना ।

-स्वामी विवेकानंद

स्त्री जाति की आंतरिक शक्ति।

पांच सौ पुरुषों के साथ, वह कहते , भारत की विजय को पचास साल लग सकते है: कई महिलाओं के साथ, कुछ हफ्तों से अधिक नहीं।

-स्वामी विवेकानंद

विश्व शांति के लिए भारतीय दृष्टि।

प्रत्येक धर्म की पताका पर यह स्वर्णाक्षरों में लिखा रहेगा - "सहयोग, न कि विरोध"; "पर-भावग्रहण, न कि पर-भाव विनाश"; "समन्वय और शान्त, न कि मतभेद और कलह"!

-स्वामी विवेकानंद

सभी विचारों को स्वीकारे और अपने तरीके से ज्ञान में वृद्धि करें

"ईसाई को हिन्दू या बौद्ध नहीं हो जाना चाहिए, और न हिन्दू अथवा बौद्ध को ईसाई ही। पर हाँ, प्रत्येक को चाहे कि वह दूसरों के सार-भाग को आत्मसात् करके पुष्ट-लाभ करे और अपने वैशिष्ट्य की रक्षा करते हुए अपनी निजी प्रकृति के अनुसार वृद्धि को प्राप्त हो। "

-स्वामी विवेकानंद

प्रकृति का पोषण और संरक्षण करके धर्मनिष्ठता

हमारे प्राचीन प्रज्ञता ने पर्यावरण संरक्षण और रखरखाव का प्रचार किया। आज हम जीवन के हर क्षेत्र में उलटी घटनाओं को होते देख रहे हैं भविष्य की पीढ़ियों के लिए इस ग्रह को सतत बनाने के लिए हमारे देश की बुद्धिमत्ता को पटकथा देकर स्वामी विवेकानंद के आह्वान पर ध्यान देने का समय है की "अपने कंधो पर जिम्मेदारिया लो "

General instructions:

- Registration fee Rs.100/- to be paid online
- Participants' age group : 18 to 35 years
- All film entries should be original & creative
- Multiple submissions per person allowed
- Film can be a combination of live action (or) animation in their creation
- The video/audio should not have any Copyright or IP violations
- Film should have not been submitted, accepted (or) published elsewhere prior to this competition
- The decision of the selection committee is final

About the Film

- Film duration 2-8 minutes
- Quality : 2K (1080P) (or) 4K (2160P) with Higher Bit Rate
- File size: Up to 20 GB
- Any Indian Language/English/Silent
- For films in Indian languages, English subtitles must be attached as .srt files

Last date for submission:
15 February 2019

₹75,000 2nd Prize
₹1,00,000 1st Prize
₹60,000 3rd Prize
15 ENCOURAGING PRIZES EACH ₹10,000

To Register and Upload the video
visit: https://events.chennaimath.org/vsfc19
Ph: 63742 13060, 94980 91326, 63742 13050

Sri Ramakrishna Math, 31, Ramakrishna Math Road, Mylapore, Chennai - 600004. Email: svchicago125@gmail.com

/ramakrishnamath

#MakeVivekanandaMovie